नेक चंद सैनी के रॉक गार्डन का कलात्मक विश्लेषण

दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी) दयालबाग, आगरा से
चित्रकला में पी–एच.डी. की उपाधि हेतु
प्रस्तुत शोध–प्रबंध की रूपरेखा

शोध निर्देशिका

डॉ. सोनिका

ड्राइंग एंड पेंटिंग विभाग

कला संकाय

शोध छात्रा

सोनल गर्ग

ड्राइंग एंड पेंटिंग विभाग

कला संकाय

ड्राइंग एंड पेंटिंग विभाग, कला संकाय

दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)

दयालबाग, आगरा–282005

2020

शोध संकल्पना

कला शब्द और कला का इतिहास बहुत व्यापक है। जब से मानव ने इस धरती पर जन्म लिया है तब से कला के अंशों के प्रमाण मिलते आ रहे हैं। वास्तव में मानव एक ऐसी रचनात्मक रचना है जिसके मन में जो भी विचार आते हैं उनको वह साझा किए बिना नहीं रह सकता। अतः अपने विचारों को दुनिया के समक्ष रखने के लिए वह शारीरिक और मानसिक कौशलों का प्रयोग करता हैं। इस धरती पर बहुत से लोग हैं जिनकी अपनी अलग सोच और कौशल है। मानव जब अपनी अलग सोच और कौशल के अनुसार कोई अनोखी रचना करता है और उसकी रचना का लोगों पर कोई विशिष्ट प्रभाव पड़ता है, दूसरे शब्दों में, मानव जो अपनी रचना से कहना चाह रहा था, उसे अभिव्यक्त करने में सफल होता है, तो उस रचना को 'कला' का नाम दिया गया है।

यह तो स्पष्ट बात है कि इस दुनिया में हर मानव अलग–अलग समय पर पैदा हुआ है और अलग–अलग परिस्थितियों में पला–बढ़ा है, तो यह स्वाभाविक है कि उसके सोचने, समझने, देखने और विचारों को प्रस्तुत करने के तरीके भी अलग होंगे। इसी सौम्य एवं कला–प्रवीण विविधता के परिणामस्वरूप, कला विभिन्न रूपों में विकसित हुई।

पाणिनि, जो प्राचीन भारत के महान संस्कृत दार्शनिक व व्याकरणविद हुए हैं, उन्होंने कला को दो भागों में विभाजित किया है, कारु कला (उपयोगी कला) और चारु कला (ललित कला)।

वास्तविक रूप में ललित कलाएँ वे कलाएँ हैं जिनसे हमें सौंदर्य की अनुभूति तथा आनंद की प्राप्ति होती है, जैसे कि स्थापत्य कला, संगीत कला, चित्रकला, काव्य कला एवं मूर्तिकला। परन्तु आधुनिक काल में इन ललित कलाओं में कुछ नवीन आयाम भी सम्मिलित हो गए हैं, जिनमें इन कलाओं का मिश्रित स्वरूप दृष्टिगत होता है। इन्हें समग्र रूप से एक नवीन कला रूप कहा जा सकता है। इन नवीन कलारूपों को विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है जैसे संस्थापन कला, पर्यावरणीय कला, आउटसाइडर आर्ट आदि।

आउटसाइडर आर्ट उन कलाकारों की कला को कहते हैं, जिन्होंने कला के क्षेत्र में किसी भी प्रकार का औपचारिक प्रशिक्षण नहीं लिया होता और जिनका कला संसार के किसी प्रकार के पहलू से सम्बन्ध न होने के बाद भी कुछ ऐसी रचनात्मक रचनाएँ कर देते है जिनको कला जगत में उत्कृष्ट स्थान दे दिया जाता है, उन्ही कलाकारों को आउटसाइडर आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है जैसे फ्रेड स्मिथ, फर्डीनांद शेवल, सिमॉन रोडिआ, नेक चंद सैनी इत्यादि।

ऐसे ही एक कलाकार नेक चंद सैनी थे, जो की व्यवसायिक रूप से तो सरकारी विभाग में सड़क निरीक्षक थे लेकिन इन्होनें अपनी अभिव्यंजना को सृजनात्मक रूप दिया जिसे आज 'रॉक गार्डन', एक शिल्पकृत उद्यान के रूप में जाना जाता है।

रॉक गार्डन, संस्थापन कला, पर्यावरणीय कला, आउटसाइडर आर्ट, का एक अद्वितीय उदाहरण है, जो चंडीगढ़ में स्थित है। इसे नेक चंद के रॉक गार्डन के नाम से भी जाना जाता है जिसका नाम इसके संस्थापक 'नेक चंद' के नाम पर रखा गया है। नेक चंद सैनी, जो एक सरकारी अधिकारी थे, ने गुप्त रूप से 1957 में इस शिल्प उद्यान का निर्माण शुरू किया था, जो कि आज 40 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और पूरी तरह से औद्योगिक एवं घरेलू अपशिष्ट तथा बाहर फेंकी हुई सामग्रियों से बना है।

रॉक गार्डन सुखना झील के पास स्थित है। इसमें मानव निर्मित शिल्परूप, म्यूरल, मोजेक, झरने, संस्थापन रूप आदि सम्मिलित हैं, जो स्क्रैप और कई प्रकार की सामग्रियों जैसे बोतलें, गिलास, चूड़ियाँ, कपड़ा, टाइलें, सिरामिक बर्तन, सिंक, इलेक्ट्रिकल अपशिष्ट, टूटे हुए पाइप आदि से निर्मित किए गये हैं।

शोधकर्ता ने अनुसंधान हेतु ''नेक चंद सैनी के रॉक गार्डन का कलात्मक विश्लेषण'' विषय का चयन किया है क्योंकि:

- चंडीगढ़ का रॉक गार्डन, एक शिल्पकृत उद्यान है।
- इसका कलात्मक और सांस्कृतिक महत्व है।
- अपशिष्ट को कला में कैसे बदला जा सकता है उसका रॉक गार्डन एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

- यह आस–पास के वातावरण को एक अद्भुत परिवेश प्रदान करता है।
- रॉक गार्डन दुनिया में विशिष्ट कला निर्माण के रूप में प्रतिष्ठित है।
- भारतीय समाज और संस्कृति के तत्व, नेक चंद के रॉक गार्डन में प्रतिबिंबित होते हैं।
- साहित्य समीक्षा के दौरान यह देखा गया कि इस विषय पर आज तक कोई भी महत्वपूर्ण शोध कार्य और कलात्मक सराहना नहीं की गई है।

संबन्धित साहित्य का पुनरावलोकन

शोध विषय से संबन्धित साहित्य का पुनरावलोकन, विषय के संबंध में वास्तविक तथ्य व जानकारी एकत्र करने में सहायता प्रदान करता है। अतः अपने शोध विषय 'नेक चंद सैनी के रॉक गार्डन का कलात्मक विश्लेषण' के संदर्भ में शोधार्थी ने अनेक पुस्तकों का गहन अध्ययन किया, जो निम्नवत है–

• वेद प्रकाश मेहता और नेक चंद सैनी' द्वारा लिखित **'ROCK GARDEN A VISION OF CREATIVITY'** नामक पुस्तक से शोधार्थी को नेक चंद की बाल्यावस्था की स्मृतियों, रॉक गार्डन के तीन चरणों का विकास, रॉक गार्डन के उत्थान का ज्ञान हुआ।

• मलकीत सिंह औलख द्वारा रचित पुस्तक **'THE ROCK GARDEN'** से शोधार्थी को रॉक गार्डन के विकास के पीछे नेक चंद की विचार प्रक्रिया क्या रही, का ज्ञान हुआ।

• ल्यूसिने पेरी और फिलिप लिस्पिनासे द्वारा लिखित पुस्तक **'NEK CHAND'S OUTSIDER ART, THE ROCK GARDEN OF CHANDIGARH'** से शोधार्थी को तकनीकी पक्ष के बारे में ज्ञान हुआ।

उपरोक्त सभी पुस्तकों के अध्ययन द्वारा यह स्पष्ट हुआ कि नेक चंद सैनी द्वारा निर्मित इस अदभुत कला संसार पर अभी तक कोई गहन कलात्मक विमर्श प्रस्तुत नहीं किया गया है। अतः इस दृष्टि से इस विषय पर शोध की अत्यधिक संभावना है। यही कारण है कि शोधार्थी ने इस विषय को अपने शोध कार्य हेतु चयनित किया।

परिकल्पना

रॉक गार्डन एक नवीन कला का अद्वितीय नमूना है जिसमें विभिन्न प्रकार के शिल्परूप, म्यूरल, मोजेक, झरने, संस्थापन रूप आदि हैं। जो विभिन्न विषयों पर और विशिष्ट सामग्रियों से निर्मित हैं।

यह कार्यः

- नेक चंद की अनोखी कलात्मक दृष्टि को प्रकाश में लाएगा।
- नेक चंद द्वारा निर्मित ऐतिहासिक उत्कृष्ट रचना, रॉक गार्डन के कला सौन्दर्य से परिचित करायेगा।
- रॉक गार्डन के सांस्कृतिक महत्व को प्रकाशित करेगा।
- शिल्परूपों के कलात्मक विश्लेषण द्वारा रचनाकार नेक चंद सैनी के दृष्टिकोण को समझने में सहायता करेगा।

उद्देश्य

प्रस्तुत शोध विषय 'नेक चंद सैनी के रॉक गार्डन का कलात्मक विश्लेषण' के संबंध में शोध कार्य के उद्देश्य निम्न हैंः

- कलाकार नेक चंद सैनी के जीवन वृतांत से अवगत कराना ।
- नेक चंद सैनी के शिल्प संसार 'रॉक गार्डन' के सौन्दर्य से परिचित कराना।
- शिल्परूपों के तकनीकी पक्ष को प्रकाशित करना।
- शिल्परूपों का कलात्मक विश्लेषण करना।

चर

- शिल्परूपों की विषय–वस्तु
- कला के तत्व

- संयोजन के सिद्धांत

कार्य प्रणाली

अनुसंधान अभिकल्प

नेक चंद द्वारा बनाए गये शिल्परूपों का अंतर्वस्तु विश्लेषण विधि द्वारा वर्णात्मक अध्ययन।

प्रदत्त संकलन

प्राथमिक स्त्रोत – शोध विषय से संबन्धित स्थान का भ्रमण व वास्तविक शिल्परूपों का अवलोकन व उनके छायाचित्र।

द्वितीयक स्त्रोत – पुस्तकें, प्रकाशित पत्र–पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, कैटलॉग, इंटरनेट वेबसाइट्स, साक्षात्कार।

प्रतिदर्श आकार

रॉक गार्डन में शिल्परूपों से संबंधित लगभग 200 छायाचित्र ।

साक्षात्कार

विषय–विशेषज्ञों व स्थानीय लोगों से साक्षात्कार।

सीमायें

रॉक गार्डन में विभिन्न प्रकार के कलारूप जैसे शिल्परूप, म्यूरल, मोजेक, झरने, संस्थापन रूप आदि है। शोधार्थी इन सभी में से केवल नेक चंद की शैली का प्रतिनिधित्व करने वाले कलारूपों का अध्ययन करेगी।

आधुनिक युग में प्रासंगिकता

- इसका एक कलात्मक और सांस्कृतिक महत्व है।
- कचरे को कला में कैसे बदला जा सकता है, रॉक गार्डन उसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

- यह आस–पास के वातावरण को एक अद्भुत परिवेश प्रदान करता है।
- रॉक गार्डन विश्व में विशिष्ट कला निर्माण के रूप में प्रतिष्ठित है।
- वर्तमान समय में पर्यावरणीय सुरक्षा की दृष्टि से सामग्रियों के सन्दर्भ में reuse, recycle, reduce आदि को महत्व दिया जाता है, रॉक गार्डन इसी भावना का प्रतिनिधित्व करता है
- भारतीय समाज और संस्कृति के तत्व, नेक चंद के रॉक गार्डन में प्रतिबिंबित होते है।

नेक चंद सैनी के रॉक गार्डन का कलात्मक विश्लेषण

विषय–अनुक्रमणिका

भूमिका

आधुनिक कला परिदृश्य के नवीन आयाम

रॉक गार्डन – एक सामान्य परिचय

प्रथम अध्याय – कलाकार नेक चंद – एक परिचय

1.1 जीवन वृत्तांत

1.2 शिक्षा एवं कलाकार के रूप में विकास

1.3 पुरस्कार एवं सम्मान

द्वितीय अध्याय – नेक चंद का शिल्परूप संसार

2.1 रॉक गार्डन के शिल्परूप

2.2 शिल्परूपों की विषय–वस्तु

तृतीय अध्याय – नेक चंद के शिल्परूपों का तकनीकी पक्ष

3.1 शिल्परूपों की निर्माण सामग्री

3.2 शिल्परूपों की प्रविधि

चतुर्थ अध्याय – नेक चंद के शिल्परूपों का कलात्मक विश्लेषण

पंचम अध्याय – कलाकार नेक चंद का समरूप अन्य कलाकारों से तुलनात्मक अध्ययन

5.1 फ्रेड स्मिथ, जर्मनी

5.2 फर्डीनांद शेवल, फ्रांस

5.3 अन्य कलाकार।

उपसंहार

परिशिष्ट– संदर्भ सूची

BIBLIOGRAPHY

वेबसाइट्स

मानचित्र

चित्र सूची

अनुसंधान अभिकल्प

भूमिका के अंतर्गत शोधार्थी आधुनिक कला परिदृश्य के नवीन आयामों की चर्चा करते हुए रॉक गार्डन का सिंहावलोकन प्रस्तुत करेगी।

प्रथम अध्याय के अंतर्गत शोधार्थी कलाकार का जीवन वृत्तांत, शिक्षा, कलाकार के रूप में विकास, प्राप्त पुरुस्कारों एवं सम्मानों का विवेचन करेगी।

द्वितीय अध्याय के अंतर्गत शोधार्थी रॉक गार्डन के शिल्परूपों और उनके विषयों का अध्ययन करेगी।

तृतीय अध्याय के अंतर्गत शोधार्थी नेक चंद के शिल्परूपों के तकनीकी पक्ष का विवेचन करेगी।

चतुर्थ अध्याय के अंतर्गत शोधार्थी रॉक गार्डन के शिल्परूपों का कलात्मक विश्लेषण करेगी।

पंचम अध्याय के अंतर्गत शोधार्थी कलाकार नेक चंद का समरूप अन्य कलाकारों से तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करेगी ।

उपसंहार के अंतर्गत शोधार्थी नेक चंद द्वारा रॉक गार्डन में निर्मित शिल्परूपों का विश्लेषणात्मक और वर्णनात्मक अध्ययन कर, रॉक गार्डन के कलात्मक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाते हुए, उसे राष्ट्रीय विरासत के रूप में सिद्ध करेगी।

संदर्भ ग्रंथ सूची

Aulakh, Malkit Singh — 1986, The Rock Garden, Published by Manjit Kaur, Tagore Publishers, India

Bandyopadhyay, Soumyen — The Collection, the Ruin, and the Theatre,
Jackson, Iain — Liverpool University Press

Bhatti, Dr. SS — Rock Garden in Chandigarh, White Falcon Publishing

Mehta, Ved Prakash — 2010, Nek Chand Saini, Rock Garden a vision of creativity, Arun Publishing House, Chandigarh, India

Nath, Amarendra, Dr. — 2008, Reflections of Indian consciousness, Director General, National Museum, Janpath, New Delhi

Peiry, Lucienne — 2005, Nek Chand’s Outsider Art, The Rock
Lespinasse, Philippe — Garden of Chandigarh, Flammarion

BIBLIOGRAPHY

अग्रवाल, वसुदेवशरण — 1966, भारतीय कला, पृथ्वी प्रकाशन वाराणसी

उपाध्याय, वासुदेव — 1982, प्राचीन भारतीय मूर्ति विज्ञान, प्रकाशन चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी

तुंग, माओत्से — 2002, कला साहित्य और संस्कृति, नार्दन बुक सेन्टर, नई दिल्ली

पवन वीणा — 1991, भारतीय मूर्तिकला का इतिहास, ईस्टर्न बुक लिंकर्स बनारस

भास्कर, सुभाष 2009, रॉक गार्डन का निर्माता नेक चन्द, यूनिस्टार बुक्स चंडीगढ़, भारत

शुक्ल,रामचन्द्र 2009, कला और आधुनिक प्रवृत्तियाँ, फोकस इनफोटेक प्रकाशक, केरल

INTERNET WEBSITES

- **www.nekchand.com**
- **www.chandigarhtourism.gov.in**
- **wikipedia.org**/wiki/Nek_Chand
- **wikipedia.org**/wiki/Rock_Garden_of_Chandigarh
- **wikipedia.org**/wiki/Outsider_art
- **wikipedia.org**/wiki/Wisconsin_Concrete_Park
- **wisconsinconcretepark.org**
- **britannica.com**/biography/Nek-Chand
- **thehindu.com**/eatures/kids/waste-to-wonder/article14475868.ece
- **indianexpress.com**/article/cities/a-nek-chand-tour-of-tricity-4699564
- **folkartmuseum.org**/exhibition/concrete-kingdom-sculpture-by-nek-chand
- **mosaicartsource.wordpress.com**/?s=nek+chand
- **indiatoday.in**/education-today/gk-current-affairs/story/nek-chand-saini-11697-2016-06-11
- **indianexpress.com**/article/lifestyle/the-waste-maker
- **economictimes.indiatimes.com**/magazines/panache/nek-chand-the-wizard-behind-the-rock-garden/articleshow/47643332.cms?rom=mdr
- **wikipedia.org**/wiki/Ferdinand_Cheval
- **folkart.org**/mag/nek-chand-1
- **rawvision.com**/articles/nek-chand

चित्र संख्या – 1, शीर्षक – मानव, माध्यम – सिरेमिक और सीमेंट,
समय – 20 वीं शताब्दी, रॉक गार्डन, चंडीगढ़

चित्र संख्या – 2, शीर्षक – भालू, माध्यम – धातुमल और सीमेंट,
समय – 20 वीं शताब्दी, रॉक गार्डन, चंडीगढ़

चित्र संख्या – 3, शीर्षक – पक्षी, माध्यम – चूड़ियाँ और सीमेंट,
समय – 20 वीं शताब्दी, रॉक गार्डन, चंडीगढ़

चित्र संख्या – 4, शीर्षक – पशु, माध्यम – सीमेंट एवं सिरेमिक,
समय – 20 वीं शताब्दी, रॉक गार्डन, चंडीगढ़